JAGRAN CITY PAGE III

भाषण प्रतियोगिता में दिशा प्रथम, सुनीधि द्वितीय

लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के मानव विज्ञान विभाग में शनिवार को अंतरराष्ट्रीय विकास सप्ताह के आखिरी दिन विकसित भारत विषय पर भाषण प्रतियोगिता आयोजित की गई। विद्यार्थियों ने विकसित भारत पर विचार व्यक्त किए। विभागाध्यक्ष डा. केया पांडेय ने बताया कि प्रतियोगिता में दिशा प्रथम, सुनीधि चौरसिया दूसरे व उत्कर्ष एवं रजत तीसरे स्थान पर रहे। यहां प्रो. पूनम टंडन, डा. सौम्यता पांडेय, डा. मशीयत, डा.सोनी उपस्थित रहीं। (जासं)

मनाया दिवस

लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के जूलाजी विभाग में वाइटल्स जूलाजिकल सोसाइटी एवं वन्य जीव विज्ञान संस्थान के सहयोग से अंतरराष्ट्रीय वूमेन, गर्ल्स दिवस मनाया गया। प्रो .केएन बहल आडिटोरियम में शोधार्थियों एवं एमएससी के विद्यार्थियों ने केक काट कर यह कार्यक्रम मनाया। इस अवसर पर विभाग के हेड प्रो. एम सेराजुद्दीन, प्रो. अमिता कनौजिया और डा. कल्पना सिंह, पूर्व डीन साइंस प्रो. निरुपमा अग्रवाल भी उपस्थित रहीं। (जासं)

प्लेसमेंट के लिए मौका, कल तक करें आवेदन

जासं, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय में कैंपस प्लेसमेंट का सिलसिला जारी है। विश्वविद्यालय के इंजीनियरिंग संकाय के प्लेसमेंट सेल की ओर से तीन कंपनियों में आवेदन का मौका दिया गया है। इनमें टाटा एआइजी, इंडियामार्ट एवं पेपरपीडिया में नौकरी के लिए स्नातक एवं परास्नातक छात्र-छात्राएं 13 फरवरी तक रजिस्ट्रेशन लिंक के माध्यम से आवेदन कर सकते हैं।

इंजीनियरिंग संकाय के प्लेसमेंट प्रभारी डा. हिमांशु पांडेय के अनुसार टाटा एआईजी कंपनी में सेल्स ट्रेनी के पद पर चार लाख प्रतिवर्ष के पैकेज दिया जाएगा। एमबीए (सेल्स, मार्केटिंग के छात्र-छात्राएं दिए गए लिंक "https://forms.gle/zpP3YBC4Rh7RMw2x9" पर जाकर आवेदन कर सकते हैं।

AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

फिजी में विश्व हिंदी सम्मेलन में सम्मानित होंगे डॉ. सूर्यप्रसाद

माई सिटी रिपोर्टर

फिजी में 15-17 फरवरी को आयोजन, लखनऊ से डॉ. पवन अग्रवाल, पंकज प्रसून व वाराणसी से डॉ. नीरजा माधव होंगी शामिल

लखनऊ। फिजी में 15 से 17 फरवरी तक होने वाले 12वें विश्व हिंदी सम्मेलन में उत्तर प्रदेश का प्रतिनिधित्व करेंगे डॉ. सूर्य प्रसाद दीक्षित, डॉ. पवन अग्रवाल, डॉ. नीरजा माधव और पंकज प्रसून। सम्मेलन में वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. सूर्य प्रसाद दीक्षित को सम्मानित भी किया जाएगा।

हिंदी सम्मेलन का आयोजन फिजी के नांदी में किया जा रहा है। सम्मेलन का इस वर्ष का विषय है हिंदी पारंपरिक ज्ञान से कृत्रिम मेधा तक। डॉ. सूर्य प्रसाद दीक्षित ने जोधपुर व लखनऊ विवि में 40 साल तक अध्यापन कार्य किया है। इसके अलावा 12 विश्वविद्यालयों में अतिथि प्रोफेसर के रूप में अपनी सेवाएं देने वाले डॉ. दीक्षित साहित्य भूषण, भारती सम्मान समेत कई सम्मानों से नवाजे जा चुके हैं।

■ *लविवि में आचार्य हैं डॉ. पवन कुमार :* डॉ. पवन कुमार वर्तमान में लखनऊ विश्वविद्यालय के हिंदी तथा आधुनिक भारतीय भाषा विभाग में बतौर आचार्य अपनी सेवाएं दे रहे हैं। वे सम्मेलन में हिंदी का वैश्विक परिदृश्य पर अपना पत्र पढ़ेंगे। साहित्य संवर्धक अलंकरण, प्रज्ञा सम्मान समेत अनेकों सम्मान से उन्हें सम्मानित किया जा चुका है।

डॉ. सूर्यप्रसाद डॉ. नीरजा डॉ. पवन पंकज प्रसून

■ *हिंदी की सेवा में जुटीं डॉ. नीरजा :* वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. नीरजा माधव ने हिंदी और साहित्य की सुदीर्घ सेवा की है। काशी हिंदू विश्वविद्यालय से अंग्रेजी भाषा में पीएचडी करने के बाद नीरजा माधव ने कई दर्जन उपन्यास, कहानियां और ललित निबंध हिंदी भाषा में लिखे हैं।

■ *कविता में विज्ञान लेखन पर बात रखेंगे प्रसून :* लखनऊ के कवि और हास्य व्यंग्यकार पंकज प्रसून भी फिजी में प्रदेश का प्रतिनिधित्व करेंगे। वे वहां कविता विधा में विज्ञान लेखन पर अपना पत्र पढ़ेंगे। वे उत्तर प्रदेश भाषा संस्थान, उत्तर प्रदेश हिंदी संस्थान से सम्मानित हैं।

कैंटीन में मिलेंगे मोटे अनाज के उत्पाद

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में भी मोटे अनाज से बने उत्पादों का जायका मिल सकेगा। इसके लिए विश्वविद्यालय में दिव्यांग कैंटीन की तर्ज पर मोटे अनाज के उत्पादों की एक कैंटीन खोले जाने पर विचार चल रहा है। अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. पूनम टंडन ने बताया कि इस कैंटीन में सिर्फ मोटे अनाजों से बने हुए उत्पादों की बिक्री ही होगी। इसका प्रस्ताव जल्द ही कुलपति को भेजा जाएगा। परीक्षाओं के बाद बड़े स्तर पर विवि में इंटर हॉस्टल मिलेट्स फूड्स कॉम्प्टीशन कराया जाएगा। (संवाद)

लविवि : पीएचडी अध्यादेश में होगा बदलाव

लखनऊ। लविवि जल्द ही पीएचडी के अध्यादेश में संशोधन करेगा। इसके लिए एक कमेटी का गठन का किया जा रहा है जिसका प्रस्ताव शनिवार को विवि की डीएसडब्ल्यू प्रो. पूनम टंडन ने कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय को भेजा है। प्रो. पूनम टंडन ने बताया कि अध्यादेश में बदलाव के बाद छात्र चार वर्ष के स्नातक के बाद सीधे पीएचडी पाठ्यक्रम में दाखिला ले सकेंगे। इसके लिए उन्हें परास्नातक करने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी। लेकिन पीएचडी में उन्हीं छात्रों को प्रवेश मिलेगा, जिनके अंक 75 प्रतिशत से अधिक होंगे। इससे कम अंक होने पर उन्हें एक वर्ष का परास्नातक कोर्स करना पड़ेगा। पीएचडी पूरी करने की अवधि कम से कम ती वर्ष होगी, जबकि अधिकतम 7 वर्ष होगी। (संवाद)

VoL PAGE 6

पुरस्कार पाकर खिले प्रतिभागियों के चेहरे

लखनऊ। लविवि के समाज कार्य विभाग ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय की पुण्यतिथि पर शनिवार को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए समर्पण दिवस के रूप में मनाया गया। दीनदयाल उपाध्याय ने भारतीय राष्ट्र के राजनीतिक स्पेक्ट्रम पर एक स्थायी प्रभाव छोड़ा। सामाजिक कार्य विभाग ने स्कूल का दौरा किया। विभागाध्यक्ष प्रो गुरनाम सिंह ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कार्यक्रम की संक्षिप्त जानकारी दी। उनके संबोधन का फोकस पंडित दीनदयाल के जीवन कर्मों पर था और अंत्योदय और गरीबों की सेवा पर उनका जोर हमें हमेशा प्रेरणा देता रहता है। विभाग के डॉ ओमेंद्र कुमार यादव ने एकात्म मानववाद और वासुदेव कुटुंबकम् पर संबोधित किया। उन्होंने कहा कि पंडित दीनदयाल विचारधारा की प्राथमिक चिंता एक स्वदेशी विकास मॉडल विकसित करना था जिसका मुख्य केंद्र है। उन्होंने कहा कि चूंकि लखनऊ वैश्विक निवेशक बैठक के लिए पहले से ही निर्धारित है, यह कार्यक्रम पं. दीन दयाल उपाध्याय के उपदेशों को आपस में जोड़ने के साथ वैश्विक स्थान बनने की धारणा को चलाने का सबसे अच्छा तरीका था।

TARUN MITRA PAGE 12

'धर्म, विज्ञान व बौद्ध दर्शन' विषय पर परिचर्चा

लखनऊ, 11 फरवरी (तरुणमित्र)। लखनऊ विश्वविद्यालय के दर्शनशास्त्र विभाग में शनिवार को "धर्म, विज्ञान एवं बौद्ध दर्शन" शीर्षक पर शोधपत्र प्रस्तुतीकरण का आयोजन किया गया। शोधपत्र का प्रस्तुतीकरण शोध छात्र नरेन्द्र कुमार ने किया। वहीं, शोधपत्र में धर्म व विज्ञान की अवधारणा तथा बौद्ध धर्म एवं दर्शन में उसकी स्वीकार्यता एवं अस्वीकार्यता को स्पष्ट करने का एक प्रयास किया गया। बौद्ध धर्म के कुछ मूल सिद्धान्तों जिसमें आष्टांगिक मार्ग के कुछ अंग, पंचशील, चार ब्रह्म विहार आदि विषयों पर प्रस्तुतीकरण किया गया। इस आयोजन में दर्शनशास्त्र विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. रजनी श्रीवास्तव एवं अन्य विभागीय शिक्षक, विभाग के स्नातक, परास्नातक तथा शोधार्थियों की भी उपस्थिति रही। कार्यक्रम का सफल संचालन विभाग की शोध छात्रा इरम खान ने किया तथा शोध छात्र